



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 198]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 26, 1981/कार्तिक 4, 1903

No. 198]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 26, 1981/KARTIKA 4, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार-नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना संख्या 52-आई टी लो(पी एन)/81

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर, 1981

विषय —1981-82 वर्ष के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जिमनास्टिक और खेल कूद के सामान के आयात के संबंध में लाइसेंस शर्तें।

मिथिल सं० आईपीसी/23(20)/81 —1981-82 वर्ष के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन जापान से जिमनास्टिक और खेलकूद के सामान के आयात के संबंध में लाइसेंस जारी करने के लिए जो शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, वे जानकारी के लिए अधिभूजिन की जाती हैं।

मणि नारायणस्वामी, मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं० 52 आईपीसी (पीएन)/81 दिनांक 26-10-81 के लिए परिशिष्ट।

1981-82 के लिए 50 मिलियन (50,000,000) येन की जापानी अनुदान सहायता के अन्तर्गत जापान से भारत में जिमनास्टिक और खेल कूद का सामान और इस सामान की भारत में पत्तों तक ले जाने के लिए आवश्यक सेवाओं के आयात के लिए लाइसेंस शर्तें।

खण्ड 1 सामान्य शर्तें

1(1) 1981-82 के लिए 50 मिलियन येन (लागत और भाड़ा) की जापानी अनुदान सहायता का उद्देश्य जिमनास्टिक और खेलकूद के सामान के आयात के लिए जापानी संभरकों को भुगतान करने के लिए और भारत में शारीरिक शिक्षा व खेलकूद के राष्ट्रीय संस्थान की समिति द्वारा भारत के पत्तों पर उसको लाने के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए उपयोग करना है।

1(2) आयातक के नाम में आयात लाइसेंस कुल मिलाकर 51 मिलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) मूल्य से अधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्षक "1981-82 के लिए 50 मिलियन येन जापानी अनुदान सहायता" होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रस्थ के लिए लाइसेंस संकेत "एस/जे एन" होगा।

1(3) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को बैंक खाते, जिसका प्रेषण सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है, के प्रतिरिक्त विदेशी मुद्रा यदि कोई हो, के किसी भी प्रेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के प्रति नहीं दी जाएगी। भारतीय अधिकता के कमीशन के प्रति यदि कोई हो तो कोई भी भुगतान अधिकता को भारतीय रुपए में चुकाना चाहिए। लेकिन, ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और इस लिए लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(4) इस अनुदान सहायता के अधीन सामान केवल जापान में प्राप्त किया जाना चाहिए।

1(5) आयात लाइसेंस 1-3-1982 तक की प्रारम्भिक अवधि के साथ लागत बीमा भाड़ा के आधार पर जारी किया जाएगा। यदि लाइसेंसधारी और अन्य समय वृद्धि चाहता है तो उसे चाहिए कि वह आयात लाइसेंस की वैधता अवधि में वृद्धि के अपने प्रस्ताव को मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात को प्रस्तुत करे और उसके साथ इस संधि में पूर्ण औरत और स्पष्टीकरण दें कि प्रारम्भिक वैधता अवधि के दौरान पालवान और भुगतान क्यों नहीं पूर्ण किए जा सके। ऐसे आवेदन निरपवाद रूप से मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात द्वारा उप-सचिव (टी ए), आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को विचारार्थ भेजे जाने चाहिए।

1(6) संधि में नकद आधार पर अर्थात् बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पालवान दस्तावेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। उसमें सुपुर्दगी की अवधि के लिए भी इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए:—

“सुपुर्दगी 15-3-1982 तक पूर्ण की जानी है”

1(7) संधि का मूल्य (केवल लागत तथा भाड़ा आधार पर) यून में दर्शाया जाना चाहिए (यून के भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और यदि कोई हो तो भारतीय अभिलेखी का कमोशन शामिल नहीं किया जाना चाहिए। भारतीय रुपये या अन्य किसी मुद्रा में ठेके का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अभिव्यक्त नहीं होना चाहिए। जहाज पर्यन्त निष्पत्ति लागत बीमा और भाड़ा धनराशि प्रलग-प्रलग प्रवेशित की जा सकती है परन्तु ठेके में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भाड़े का खर्च वास्तविक आधार पर देय होगा या ठेके में निश्चित किए गए भाड़े का खर्च वास्तविक खर्चों के अनुरित देय धनराशि होगी।

1(8) न्य संधि केवल जापानी राष्ट्रों या जापानी राष्ट्रों द्वारा नियंत्रित जापानी व्यापिक व्यक्तियों के साथ की जानी चाहिए। संभरकों की पात्रता को वणति हुए एक प्रमाण पत्र (दो प्रतियों में) प्रत्येक संधि के साथ लगाया जाना चाहिए।

खण्ड 2 संभरण ठेकों में निम्नलिखित शर्तें विशेष रूप से समाविष्ट होनी चाहिए :

2(1) 1981-82 के लिए 50 मिलियन येन की अनुदान सहायता से सम्बद्ध इस संधि की व्यवस्था 17 जुलाई, 1981 को भारत और जापान की सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार की गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2(2) विदेशी संभरकों का भुगतान उस “भुगतान के लिए प्राधिकार-पत्र” (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1981-82 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक ऑफ इंडिया टोकियो के नाम में सहायता एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, यू० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2(3) जापानी संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक ओर भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर जापान सरकार द्वारा अपेक्षित हो।

2(4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श से पालवान की व्यवस्था करने को तैयार है और उसके लिए सम्बन्धित माल की सुपुर्दगी के कार्यक्रम की भारतीय दूतावास, टोकियो को सूचना देगा और अपेक्षित पोल परिवहन के लिए चार मान पहले ही भारतीय दूतावास, टोकियो को अधिसूचित करवाएगा जिसमें उचित व्यवस्था की जाए। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक यह चाहता हो, अधिसूचना

की अवधि कम की जा सकती है। आवश्यक व्यौरे देने हुए प्रत्येक पालवान के बाद जापानी संभरक को आयातक को केवल सूचना भेजने के लिए भी सहमत होना चाहिए और उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड 3 भारत सरकार और जापान द्वारा ठेके का अनुमोदन :

3(1) जैसे ही आवेदनों की अंतिम रक दे दिए जाते हैं, लाइसेंस-धारी को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां या जापानी संभरकों को भारतीय आयातक द्वारा दिए गए एक आवेदन के साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आवेदन की चार प्रतियां या सभी प्रकार से पूर्ण फोटो प्रतियों के साथ अनुबन्ध 1 के प्रपत्र में “(ए/पी) जारी करने के आवेदन” की 2 प्रतियों सहित मगत वैध आयात लाइसेंस की 2 फोटो प्रतियां अवर सचिव (टी ए) आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संधि की विषय वस्तु या उसकी कीमत के आवश्यक आशोधनों से उत्पन्न सभी संधि संशोधनों के लिए भी लागू होगी।

3(2) वित्त मंत्रालय (डीईए) जापान अनुभाग 1981-82 के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तीय वान देना के लिए संधि की एक प्रति जापान सरकार का अनुमोदन के लिए भेजेगा, और इसी के साथ-साथ उपर्युक्त (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक सैट लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक और भारत के दूतावास टोकियो को भी भेजा जाएगा।

3(3) जापान सरकार से ठेका अनुमोदन प्राप्त करने के बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ-ब्लॉक का जापान अनुभाग उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा नियंत्रक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यू० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 को वेगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को अनुबन्ध 2 के अनुसार एक “भुगतान प्राधिकार पत्र” (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रतियां भारत का दूतावास, टोकियो, आयातक भारत में आयातक के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग के जापान अनुभाग को भेजी जाएगी।

3(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्रति के बाद बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और नया व लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को सूचना देने हुए इस प्राप्ति की सूचना से संभरक को भुगतान कराएगा।

3(5) पालवान करने के बाद जापानी संभरक द्वारा बैंकों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को जापानी संभरक को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

3(6) जापानी संभरक को भुगतान की व्यवस्था करने के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में आयातक से सम्बद्ध बैंक द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को धन परेशित करके निर्णित किया जाएगा।

खण्ड 4 रुपया जमा करने का उत्तरदायित्व :

4(1) मूल विनियम पोल परिवहन दस्तावेज साथ ही साथ बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो द्वारा भारत में आयातक के सम्बद्ध बैंक को भेजे जाएंगे जो भारतीय स्टेट बैंक या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक को अनुबन्ध 1 में उल्लिखित है, की शाखा होगी उस बैंक को दस्तावेजों के वे विनियम सेट के केवल इस बात का सुनिश्चय कर लेने के बाद ही सम्बद्ध आयातक को देने चाहिए कि जापानी संभरक को चुकाई गई येन धनराशि के बराबर

रूपया उन मामलों में जहाँ वेने योग्य है व्याज के बर्ष में मूलित सभरक को भुगतान कर दिया है और उस धन राशि पर जापानी सभरक का बैंक आफ इण्डिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूपया जमा करने की तिथि तक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 9% प्रतिवर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 15% प्रतिवर्ष की दर से हिसाब लगाकर व्याज सार्वजनिक सूचना सं० 46-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 16-6-76 के अनुसार सरकारी लेखों में जमा कर दिया गया है। व्याज दोनों दिनों, अर्थात् जिस दिन जापानी सभरक को भुगतान किया जाता है, और जिस दिन सरकारी लेखों में रूपया जमा किया जाता है, के लिए देय है। दक्षिण सार्वजनिक सूचना सं० 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 द्वारा मणोदित सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74। भुगतानों की यन धनराशि के बराबर रूप की गणना करने के लिए अपनाई जाने वाली विनियम दर मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचना सं० 8-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित मुद्रा विनियम की मिश्रित दर होगी या वह दर होगी जो कि मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियन्त्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जाए। इस संबंध में कोई भी परिवर्तन अब और जैसे ही आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। इस बात का सुनिश्चय करने का उत्तरदायित्व सम्बद्ध भारतीय बैंक का होगा कि आयात वस्तुओं आयातकों को सौंपने से पहले ही वेय धन राशि सरकारी लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। लाइसेंस धारों का यह सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि अपने बैंकरो से वस्तुओं लेने से पहले ही वेय धनराशि लेखों में सही रूप से जमा कर दी गई है। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रूपया जमा करना चाहिए वह "के डिपॉजिट्स एण्ड एडवांन्स 843 मिबिल डिपॉजिट्स-डिपॉजिट्स फोर परचेजिंग एटमूद्रा एंडाड परचेजिंग अर्ररर ग्रान्ट ऐंड फ्राम गवर्नमेंट, आफ जापान" फार 1981-82 ग्रान्ट फार परचेजिंग आफ जिमना-म्टिक एण्ड स्पोर्ट्स इक्विपमेंट्स/मिबिल फार दी परपज आफ प्रोमोटिंग फिजिकल एड्युकेशन एंड स्पोर्ट्स डिवेलपमेंट इन इंडिया" है।

4(2) उल्लिखित धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली, में या स्टेट बैंक आफ इंडिया, तीस हजारी, दिल्ली में सरकार की माध्य में नकद जमा होनी चाहिए, या यदि वह सुविधाजनक न हो तो स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा का या इसके उपसर्गी किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक (हुण्डी कर्ता) से प्राप्त एक हुण्डी (डिमाण्ड ड्राफ्ट) के माध्यम से स्टेट बैंक आफ इंडिया तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (हुण्डी ग्राह्य और प्राप्त) की सार्वजनिक सूचना सं० 184 आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 30-8-68, सं० 233-आईटीसी (पीएन)/68, दिनांक 24-10-68, सं० 132-आईटीसी (पीएन)/71 दिनांक 5-10-71, सं० 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 और सं० 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 में यथा निर्धारित सरकारी लेखों में जमा करने के लिए धन प्रेषण करना चाहिए।

4(3) सरकार द्वारा एसी माग किए जाने के बाद सात दिनों के भीतर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी ऊपर निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्च के निमित्त भेजेगा जो भारत सरकार द्वारा मागी जाए। चालान के विभिन्न कालों को भरते समय आयातकों/उनके बैंकरो को इस बात का सुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं० 103-आईटीसी (पीएन)/76, दिनांक 12-10-76 के साथ पढ़ी जाने वाली सार्वजनिक सूचना सं० 132-आईटीसी (पीएन)/71, दिनांक 5-10-71 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना और सार्वजनिक सूचना सं० 74-आईटीसी (पीएन)/74, दिनांक 31-5-74 में भी निर्धारित सूचना चालान के काल में "धन प्रेषण और प्राधिकारी, यदि कोई हो के पूर्ण ब्यौरे" में निरूपवाद रूप से निदिष्ट किए गए हैं। खजाना चालान में निम्नलिखित ब्यौरे निरूपवाद रूप में प्रस्तुत करने चाहिए —

(क) वित्त मन्त्रालय भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की सं० और दि०

(ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके सम्बन्ध में अपनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाते हैं।

(ग) जापानी सभरक को भुगतान करने की तिथि।

(घ) चुकाए गए व्याज की धनराशि और वह अवधि जिसके लिए वह गिना गया है।

(ङ) जमा की गई कुल धनराशि।

(व्याज की गणना जापानी सभरक को भुगतान की तिथि से सरकारी लेखों में समतुल्य रूपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए की जानी है)। उसके पश्चात् सी०ए०ए० एण्ड ए० द्वारा जारी किए गए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र का संदर्भ देते हुए और बीजक तथा पीत परिवहन दस्तावेजों का सलग्न करते हुए खजाना चालान रूपया जमा करने का साक्ष्य देते हुए पजीकृत डाक द्वारा सी०ए०ए० एण्ड ए० को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी — भारत में आयातकों के बैंक को यह सुनिश्चय करना चाहिए कि रूपया का निक्षेप बैंक आफ इण्डिया, टोकियो से आयातकों की सूचना और प्रपरिचरित पोत लदान दस्तावेजों की प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निरूपवाद रूप में किया जाना चाहिए और यह कि उसके तत्काल बाद सी०ए०ए० एण्ड ए०, वित्त मन्त्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

4(4) भारत में सम्बद्ध बैंक आफ इण्डिया, को लाइसेंस की मुद्रा विनियम नियन्त्रण प्रति कर रूपया निक्षेपों की धनराशि का दृष्टांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक आफ बम्बई को भेजना चाहिए।

खण्ड-5 विविध शर्तें :

5(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्टें

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पाँच लदानों और उनके अधीन किए गए भुगतानों के सम्बन्ध में और जो पाँच लदान होने बाकी हैं उनके विषय में एक मासिक रिपोर्टें सी०ए०ए० एण्ड ए० आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मन्त्रालय, यू०सी०ओ० बैंक बिल्डिंग, समद मार्ग, नई दिल्ली का भेजनी चाहिए।

आयातक को चाहिए कि वह अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल के आयात से सम्बन्धित किसी ऐसी विशेष शर्त से सभरक को अवगत कराये जो समझौते का पालन करने में सभरक को प्रभाव डालती हो।

5(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और सभरक के बीच यदि कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेनी। बैंक आफ इण्डिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व सभरक द्वारा पूरी की जाने वाली शर्तें माफ-माफ "भुगतान के नियमों" में अनुबन्ध-1 में आयातक द्वारा दर्शाई जानी चाहिए। विवादों में निपटने की शर्तें ठेके की शर्तों में शामिल होना चाहिए।

5(4) भविष्य अनुबंध

आयातों या उनके सम्बन्ध में उत्पन्न किसी मामले या सभी मामलों से सम्बन्धित जापान से 1981-82 के लिए अनुदान सहायता के अधीन सभी आयातों का पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निदेशों या अनुबंधों या आदेशों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

5(5) अतिक्रमण या उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियन्त्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्रवाई की जाएगी।

5(6) अनुबंधों की सूची

अनुबंध-1 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) जारी करने के लिए आवेदन करने का प्रपत्र

अनुबंध-2 भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) का पत्र संख्या एक

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में,

बैंक आफ इंडिया,
टोकियो शाखा
टोकियो (जापान)

विषय: 1981-82 के लिए 50 मिलियन येन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से भारत में जिमनास्टिक और खेल-कूद का सामान और उस सामान का भारत में पत्तों तक ले जाने के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात। भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

1. आपके बैंक के साथ को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्द्वारा यथा संलग्न ब्यौरे (जो परिशिष्ट में दर्शाए गए हैं) के अनुसार सर्वश्री के नाम में येन धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों की सूचना दें और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार, आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाए।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा संकेतित लदान दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा।

4. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज भेजने आदि के लिए भाड़े सहित भुगतान किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े टोकियो में भारतीय दूतावास/आयातक के बैंक द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

5. जैसे ही संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेज के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय और आयातक के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

6. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

7. यह भुगतान प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना-पत्र संख्या

दिनांक

सेवा में,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय,
आर्थिक कार्य विभाग,
यू० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,
पालियामेंट स्ट्रीट,
नई दिल्ली-110011

विषय:— 1981-82 के लिए येन 50 मिलियन की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत जापान से जिमनास्टिक और खेल कूद का सामान और इस सामान को भारत में पत्तों तक ले जाने के लिए आवश्यक सेवाओं का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन जापान से ऊपर उल्लिखित सामान के आयात के संबंध में सम्बद्ध संभरक के नाम में बैंक आफ इंडिया, टोकियो के लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए हम आपको निम्नलिखित ब्यौरे प्रस्तुत करते हैं:—

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख जिस तक वैध है।

(ग) प्राप्ति के तरीके—क्या यह सीधे क्रय या औपचारिक खुले अंतरराष्ट्रीय निविदा पर आधारित है। इसके मामले में यदि कोई कारण हो तो कारण सहित यह संकेतित होना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपयुक्त न्यूनतम तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण

(ङ) माल का उद्गम देश

(च) संविदा का कुल लागत भाड़ा मूल्य (येन में)

(छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपए में भुगतान की जाने वाली भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि।

(ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।

(झ) जापानी संभरकों के माथ का गई संविदा की संख्या और दिनांक

(ञ) जापानी संभरक का नाम और पता और पावता प्रमाण-पत्र संकलन करें (दो प्रतियों में)

(ट) वे भुगतान शर्तों और संभावित तिथि जिनको संविदा के अन्वयन भुगतान देय होंगे।

(ठ) सुपुर्वगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।

(ड) भारतीय बैंक टोकियो को भुगतान करने समय लिए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और निपटान का संकेत करें।) प्रत्येक सेटों की संख्या और उनका निपटान दिखाते हुए।

(ड) पोतलदान अनुदेश (बाह्यान्तरण/पार्टीशिपमेंट की अनुमति दी गई है या नहीं (निदिष्ट कीजिए)।

(त) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।

भवदीय,

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित:—

1. आयातक को उनके पत्र संख्या दिनांक के सदर्थ में।

2. आयातक बैंक का उनसे निवेदन किया जाता है कि भारतीय बैंक आफ इंडिया, टोकियो, त्राच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरकों को येन के बराबर रुपया जमा करने की व्यवस्था करें। विदेशी संभरकों का चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपए की गणना सार्वजनिक सूचना संख्या-8 आईटीसी (पी एन)/76, दिनांक

17-1-76 या अन्य ऐसी सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए, के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की मिश्रित दर पर की जाएगी। विदेशी संभरक को भुगतान करने की तिथि से सरकार के लेखे में तुल्य रुपया जमा करने की तिथि तक की अवधि के लिए सार्वजनिक सूचना संख्या-46 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 16-6-76 के अनुसार पहले 30 दिनों के लिए 9 प्रतिशत वार्षिक दर पर और इससे अधिक की गणना की गई अवधि के लिए 15 प्रतिशत की दर से ब्याज भी सरकारी लेखे में जमा कराना होगा। ब्याज दोनों दिनों के लिए दिया जाएगा अर्थात् वह तिथि जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह तिथि भी जिसको सरकारी लेखे में रुपया निक्षेप किया जाता है। (इस दर में यदि कोई परिवर्तन किया गया तो तुरन्त उसकी सूचना दी जाएगी) यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सेट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जानी है।

ये धनराशियां या तो रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी, दिल्ली में जमा करने चाहिए या स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा या इसकी अनुययी संस्थाओं या किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से उनके द्वारा प्राप्त की गई स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी शाखा, दिल्ली-6 (अभिहित और आश्चर्य) के नाम में और उसकी वेब वर्शन, हुण्डा के माध्यम से करनी चाहिए। इस संबंध में आपका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं० 233 आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 21-10-68, सं० 132 आई टी सी (पी एन)/71 दिनांक 5-10-71, सं० 74 आई टी सी (पी एन)/74 दिनांक 31-5-74 और सं० 103 आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 की शर्तों की ओर दिलाया जाता है। लेखा शीर्षक जिसमें धनराशि जमा की जाएगी वह "के डिपोजिट एण्ड एडवांसिज-843 सिविल डिपोजिट—डिपोजिट फार परचेजिस एटसेक्ट्रा एन्ड—परचेजिस एण्ड फ्रॉम दि गवर्नमेंट आफ जापान फार 1981-82" है और विस्तृत लेखा शीर्षक "येन 50 मिलियन ग्रांट एंड फार परचेज आफ दि जिमनास्टिक एंड स्पोर्ट्स इक्विपमेंट/सर्विसेज फार दि परपज आफ प्रोमोटिंग फिजिकल एजुकेशन एण्ड स्पोर्ट्स इन्वेलपमेंट इन इंडिया" है।

जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक आफ इण्डिया, तीस हजारी में सार्वजनिक सूचना सं० 132 आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-1-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाता है उनमें बालान की मूल रूप से एक प्रतिलिपि बैंक आफ इण्डिया टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणी का पूर्ण विवरण देने हुए अप्रेषण-पत्र सहित उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जाएगी :—
सहायता लेखा तथा लेखा-परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)
पहली मंजिल, यू० सी० ओ० बैंक बिल्डिंग,
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001

जिस मामले में तुल्य रुपया उपर-संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डा द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचना उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में ब्याज की चुकाई गई धनराशि और जिस अवधि के लिए ब्याज की गणना की गई है और उसके साथ जमा किए गए तुल्य रुपय का पूरा ब्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

समुद्रपार संभरक के बैंकर के खर्चों सहित यदि कोई हो तो, बैंकग खर्च और बैंक आफ इण्डिया, टोकियो ब्रांच के अन्य खर्च इंडियन बैंक आफ इण्डिया, टोकियो शाखा द्वारा संक्षेप में निश्चित किए जाएंगे।

4. भारतीय दूतावास, टोकियो।

5. अवर सचिव (टी ए) शाखा, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली।

लेखाधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 52-ITC(PN)/81

New Delhi, the 26th October, 1981

Subject : Licensing Condition in respect of import of gymnastic and sports equipment under the Japanese Grant Aid of Yen 50 Million for the year 1981-82.

F. No. IPC/23(20)/81.—The terms and conditions governing the issuance of import licence in respect of import of gymnastic and sports equipment from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 50 Million for the year 1981-82 as given in appendix to this Public Notice are notified for information.

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of Imports & Exports.

Appendix to Ministry of Commerce Public Notices No. 52-ITC(PN)/81 dated the 26th October, 1981.

Licensing Conditions for import of gymnastic and sports equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India, from Japan under Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen fifty million (Yen 50,000,000).

Section I—General Conditions :

(i) The Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen 50 million (C&F) is intended to be used for financing payments to Japanese suppliers for import of gymnastic and sports equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the Society for the National Institutes of Physical Education and Sports of India.

(ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 51 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription Yen 50 million Japanese Grant Aid for 1981-82. The licence code for the first and second suffix will be "SJN".

(iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agents Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

(iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid.

(v) The import licences will be issued on CIF basis with an initial validity upto 31-3-1982. In case the licence needs further extension, the Licencee should submit to the CCI&E a proposal seeking an extension in the validity period of the Import Licence alongwith full justification and explanation as to why the shipment and payments could not be completed within the initial validity period. Such requests should invariably be referred by the CCI&E to the Under Secretary (TA), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance North Block, New Delhi for consideration.

(vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows.—

"delivery to be completed by 15-3-1982".

(vii) The contract value (C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

(viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II—The following provision should be specifically incorporated in the supply contract:—

II(i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 17th July, 1981 between the Government of India and Japan concerning the Grant Aid of Yen 50 million for 1981-82 and will be subject to the approval of both the Governments.

II(ii) Payments to the suppliers shall be made through an 'Authorisation to Pay' (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1981-82.

II(iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II(iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least four weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III—Contract Approval by Government of India and Japan.

III(i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (T.A.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block, New Delhi 4 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of A/P" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts or in its price.

III(ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send one copy of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1981-82 of Yen 50 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III(iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form at Annexure II for making payment to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, importers' Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III(iv) On receipt of the Authorisation to Pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importers' Bank in India and the CAA&A.

III(v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III(vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's Bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without effecting the Government of India's account. Section IV responsibility for rupee deposit :

IV(i) The original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-1 who should release these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 9 per cent per annum for the first thirty days and at 15 per cent for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese Supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposits is made into Government account vide Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 as modified under Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen Payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&E Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the import documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the document from their bankers. The Head of Account to which above rupee deposits should be credited as "K-deposits Advances-843-Civil Deposits—Deposits for purchases etc., abroad—purchase under Grant Aid from the Government of Japan for 1981-82. Grant for purchase of the gymnastic and sports equipment/services for the purpose of promoting physical education and sports development in India.

IV(ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi, or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or if this is not possible should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi (drawee and Payee) for credit to Government account as contemplated in Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-1968, No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1969 and No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV(iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 and also in Public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 read with Public Notice No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challans :

- (a) Ministry of Finance "A/P" (Authorisation to Pay)-No. and date.
- (b) Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the Japanese supplier.

- (d) The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- (e) Total amount deposited.

(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance, (TDEA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence, and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous provisions

V(i) Reports on the utilisation of the Grant Aid :

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs Ministry of Finance, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

V(ii) The importer should apprise the suppliers of any special provisions in the import of goods under this Grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V(iii) Disputes :

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any, that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment", Provisions dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V(iv) Future Instructions :

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1981-82 from Japan.

V(v) Breach or Violation :

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports & Exports (Control) Act.

V(vi) List of Annexures :

Annexure-I : Request for issue of A/P.

Annexure II : Form A/P.

"REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY"

No.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street, New Delhi-110001.

Subject : Import of gymnastic and sports equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 50 million for 1981-82.

Sir,

In connection with the import of above mentioned equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the Bank of India, Tokyo in favour of the Japanese Supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement, whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons if, any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of India agent's commission (in Yen) if any, payable in Indian rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Name and date of the contract with Japanese Suppliers.
- (j) Name and Address of the Japanese Supplier and attach an eligibility certificate (in duplicate).
- (k) Payment, terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/port-shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and Address of the Importer's bank in India.

Yours faithfully,

No. F.

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India
Tokyo (Branch),
Tokyo (Japan)

Subject : Import of gymnastic and sports equipment and services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 50 million for 1981-82. Issue of Authorisation to pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated _____ entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s. _____ as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P will be made on the basis of shipping documents as indicated in the Appendix.

4. Banking charges including charges for handling documents and charges of Overseas Suppliers, Bankers if any, payable to you by the importer, will be settled directly by the importer's bank.

5. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importer's bank.

6. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

7. This A/P will remain valid upto _____

Yours faithfully,

Accounts Officer.

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

2. Importer's Banker _____. They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76, dated 7-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interests @ 9 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 15 per cent per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government account is required to be deposited into the Govt. of India account, in terms of Public Notice No. 46-ITC(PN)/76 dated 16-6-1976. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese Supplier and also the date on which rupee deposit is made into Government account. (Any change in this rate will be intimated if and

when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi or remitted by means of a Demand Draft obtained by them from any Branch of the S.B.I. or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dt. 31-5-1974 and 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits/Deposit" for purchases etc. abroad. Purchases under Grant Aid from Govt. of Japan for 1981-82 under detailed head Y 50 million grant aid for purchase of the gymnastic and sports equipment/services for the purpose of promoting physical education and sports development in India.

3. One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the S.B.I. Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971 should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo, Branch :

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor, UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers' bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the Bank of India, Tokyo, Branch.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary (TA) Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer